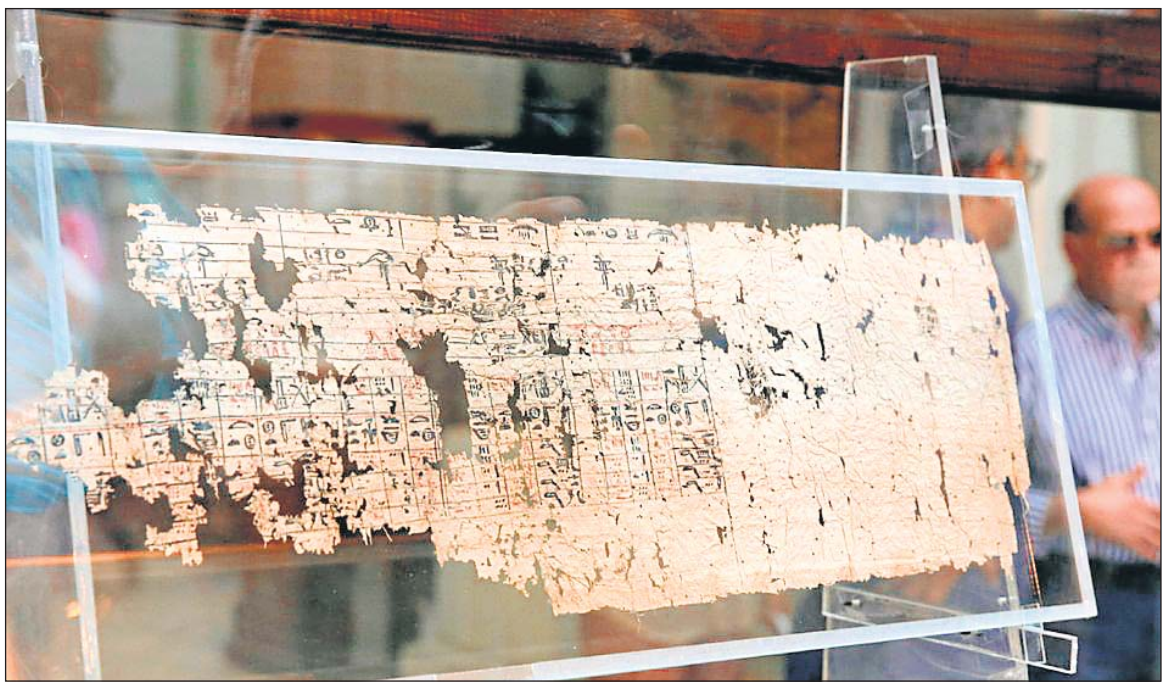

गीज़ा के ग्रेट पिरामिड विश्व की सबसे बड़ी पहेलियों में से एक हैं, लोग यह सोच नहीं पाते कि, प्राचीन काल में आधुनिक मशीनरी की मदद के बिना इतनी विशालकाय इमारतें कैसे बनाई गईं? इनमें सबसे बड़ा और पहला है खूफ़ू का पिरामिड, जो 146 मीटर ऊँचा है और 800 साल पहले तक इसे पृथ्वी पर इंसान द्वारा निर्मित सबसे ऊंची संरचना माना जाता था। पिरामिड्स का रहस्य शायद कभी पूरी तरह से सुलझ नहीं पाएगा, लेकिन कुछ ऐसी खोजें हुईं, जिनसे यह समझने में मदद मिली कि, किस प्रकार असंभव को संभव किया गया होगा। ऐसी ही एक खोज वर्ष 2013 में वादी-अल-जर्फ नामक स्थान पर हुई थी। रैंड सी तट पर यह एक बंदरगाह था। यहाँ पर कुछ इमारतों व मानव निर्मित गुफाओं के उत्खनन में पुरातत्वविद् पियर टैले और ग्रैंगरी महवा को पपायरस के रोल मिले। कुछ तो कई फीट लम्बे थे और कुछ टुकड़ों में थे। ये मिस्र की कर्सिव स्क्रिप्ट हायरोग्लिफिक्स और साथ ही हायरैटिक में लिखे हुए थे। इनमें से कुछ तो किंग खूफ़ू द्वारा कराई गई, "13 वीं मवेशी गणना के एक वर्ष बाद" के थे। अर्थात् उसके शासन के 26 वें या 27 वें वर्ष के। इसलिए इन्हें सबसे पुराने पपायरस दस्तावेज कहा जा सकता है। इससे भी अधिक हैरानी की बात यह थी ये उन लोगों ने लिखे थे जो ग्रेट पिरामिड्स के निर्माण में शामिल थे। इन दस्तावेजों में से कुछ तो बही खाते थे, जिनमें पिरामिड स्थल पर रह रहे 20 हज़ार से अधिक कामगारों के खान-पान व यातायात का हिसाब लिखा हुआ था। कुछ अन्य "जर्नल" सरीखे थे, जिनमें रोजमर्रा की गतिविधियां लिखी हुई थीं। इनमें से एक दस्तावेज मीया नाम के इंस्पैक्टर ने लिखा था, जो 200 लोगों की टीम का मुखिया था। यह टीम मिस्र के एक सिरे से दूसरे सिरे तक यात्रा करती थी, सामान लाने ले जाने के लिए। इनका मुख्य काम था गीज़ा से 15-20 कि.मी. दूर "तूरा" की खदानों से गीज़ा तक लाइमस्टोन पहुंचाना। पिरामिड की बाहरी परत इसी लाइमस्टोन से बनी थी जो समय के साथ नष्ट हो गई। इस तरह, मीया के रिकॉर्ड में खूफ़ू के शासन के उस अंतिम ज्ञात वर्ष का उल्लेख मिलता है, जब ग्रेट पिरामिड को फिनिशिंग टच दिया जा रहा था। मीया के रिकॉर्ड में बताया गया है कि किस तरह उसकी टीम तूरा से नावों में स्टोन भरकर उन्हें नील नदी से ही गीज़ा तक ले गई। मीया ने अपने दस्तावेज में सामंत अंख-हफ का भी उल्लेख किया है, जो खूफ़ू का सौतेला भाई था और पिरामिड का प्रोजैक्ट मैनेजर था। यह पहली बार है, जब पिरामिड के निर्माण की देखरेख करने वाले किसी व्यक्ति की पहचान हुई है। मिस्र के पुराविशेषज्ञ ज़ाही हवास ने इसे 21 वीं सदी में मिस्र की महान खोज बताया है। माना जाता है कि काम खत्म होने के बाद ये दस्तावेज़ वादी अल-जर्फ में छोड़ दिए गए थे।

5 राज्यों में भारी बारिश व लैण्डस्लाइड के कारण 50 लोगों की मौत

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड में बारिश और बाढ़ ने सैकड़ों गाँवों को तबाह किया

नई दिल्ली, 21 अगस्त। देश के कई राज्यों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन की वजह से अब तक 50 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा कई लोगों के फंसे होने की भी संभावना है। जो मौते हुई हैं उसमें ज्यादातर लोग हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और ओडिशा के हैं। ये तीन ऐसे प्रमुख राज्य हैं जो फिलहाल कुदरत के कहर की मार झेल रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में बारिश ने सैकड़ों गांवों को तबाह कर दिया, मिट्टी के घर बह गए, सड़कों पर पानी भर गया और पुल क्षतिग्रस्त हो गए। भारतीय मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले दो दिनों तक इस क्षेत्र में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहेगी।

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद लापता हुए पांच लोगों का रविवार को भी पता नहीं चल पाया। राज्य में शनिवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में 22 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सबसे ज्यादा नुकसान मंडी, कांगड़ा और चंबा जिलों में हुआ है।

हिमाचल प्रदेश में शनिवार को बादल फटने की घटना के बाद कई परिवार बागी और ओल्ड कटोला के बीच स्थित अपने-अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने पहुंचे। मोख्ता ने कहा कि शोघी और तारा देवी के बीच सोनू बंगला में भूस्खलन के बाद शनिवार शाम को शिमला-चंडीगढ़ राजमार्ग अवरुद्ध कर दिया गया था। हालांकि, अब वहां वाहनों की आवाजाही की मंजूरी दे दी गई है।

वहीं, उत्तराखंड में देहरादून, टिहरी और पौडी के बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में बचाव दलों ने रविवार को भी तलाश और राहत अभियान जारी रखा जिसमें 24 लोगों को बचा लिया गया है जबकि 12 अन्य लोग अभी भी लापता हैं। अभी तक मिली सूचना के अनुसार, देहरादून, पौडी और टिहरी में शनिवार को अत्याधिक बारिश के कारण आई बाढ के कारण चार लोगों की मौत हो गई जबकि 12 अन्य लापता हो गए थे।

ओडिशा के बालासोर और मयूरभंज के जिला प्रशासन ने सुवर्णरेखा और बैतरणी नदी में बाढ़ से निपटने के लिए निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर निकासी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य पहले से ही लगातार बारिश के कारण महानदी में बाढ़ के प्रभाव से जूझ रहा है, जिससे सात लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिनमें से लगभग पांच लाख अब भी 763 गांवों में फंसे हुए हैं।

हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन दिनों में कम से कम 36 लोगों की मौत हुई है। सैकड़ों लोग बाढ़ के कारण अपने घरों से विस्थापित होने के बाद राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। उत्तराखंड में, शनिवार को बादल फटने की एक घटना में चार लोगों की मौत हो गई और 13 लापता हो गए क्योंकि नदियों ने किनारों को तोड़ दिया और कुछ घर बह गए। बचाव दल फंसे हुए लोगों को बाहर निकाल रहे थे।

ओडिशा में जारी मूसलाधार बारिश के बीच कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। ओडिशा में बाढ़ से लगभग 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और हजारों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए हैं, बारिश से बिजली और पानी की आपूर्ति बाधित हुई है, और सड़क के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। राज्य ने अब तक प्रभावित क्षेत्रों से 120,000 लोगों को निकाला है।

बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरे दबाव के कारण हुई भारी वर्षा और बाद में झारखंड से गलुडीह बैराज से बाढ़ का पानी छोड़े जाने के कारण उत्तरी ओडिशा की सभी नदियां उफान पर आ गई हैं।

झारखण्ड के रामगढ़ जिले में शनिवार को उफनती नलकारी नदी के पानी में पांच लोग बह गए। रामगढ़ जिले के एक अधिकारी माधवी मिश्रा ने कहा कि, अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं।

- **ओडिशा में भारी बारिश के कारण सुवर्णरेखा और बैतरणी और महानदी के बहाव क्षेत्र में आने वाले इलाकों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। करीब 7 लाख लोगों घरों से निकालकर अन्य स्थानों पर शिफ्ट किया गया है।**
- **झारखण्ड के रामगढ़ जिले में शनिवार को उफनती नलकारी नदी के पानी में पांच लोग बह गए। रामगढ़ जिले के एक अधिकारी माधवी मिश्रा ने कहा कि, अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं।**

राकेश टिकैत गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 अगस्त। देश में बेरोजगारी के खिलाफ प्रदर्शन में हिस्सा लेने जा रहे किसान नेता राकेश टिकैत को रविवार को दिल्ली में एंट्री करने से पहले ही गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त किसान मोर्चा के अहम चेहरे टिकैत को गाजीपुर बॉर्डर पर दोपहर के आसपास रोक लिया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने बताया कि राकेश टिकैत को हिरासत में ले लिया गया और मधु विहार थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने उनसे लौट जाने का अनुरोध किया।

विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि टिकैत ने पुलिस के अनुरोध को स्वीकार कर लिया और उन्हें वापस भेज दिया गया। सूत्रों ने बताया कि टिकैत को इसलिए हिरासत में लिया गया, क्योंकि दिल्ली पुलिस राष्ट्रीय राजधानी में 'अनावश्यक भीड़भाड़' रोकने का प्रयास कर रही है।

मु.मंत्री का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डॉक्टर को थप्पड़ मार रही थीं।

बुधवार की इस घटना से डॉक्टरों में रोष हैं। शनिवार को 800 से ज्यादा डॉक्टरों ने कथित हमले की निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों में से एक डॉक्टर ने कहा कि छांगते ने आइजोल स्थित चर्म रोग विशेषज्ञ पर हमला किया था। डॉक्टर ने छांगते से कहा कि उन्हें क्लीनिक पर अप्वाइंटमेंट लेकर आना चाहिए था, जिस पर वह भड़क गईं और उन्होंने हमला किया। आई.एम.ए. की मिजोरम इकाई ने बयान में कहा, हम चाहते हैं कि डॉक्टरों के साथ इस तरह का व्यवहार दोबारा न हो।

रिश्वत केस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। रिश्वत का कथित भुगतान यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि अंबाला कैंट की अधिकांश निविदाएं/ ऑर्डर उक्त निजी ठेकेदारों को दी जाएगी। सी.बी.आई. ने जाल बिछाकर 22.48 लाख रुपये की लेन-देन करते हुए दोनों अधिकारियों और निजी ठेकेदारों को पकड़ा।

यह सच है,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

न्यूयॉर्क के यू.एन. मुख्यालय जा रहा था। प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अनौपचारिक रूप से विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को अपने चैम्बर में बुलवाया और उन्हें यू.एस. सत्र में शामिल होने वाले भारतीय डैलीगेशन का पूर्ण अधिकृत सदस्य मनोनीत कर दिया।

सत्र के बाद वाजपेयी वहां रूक कर अपना इलाज करवा सकते थे। इसी वजह से वाजपेयी इलाज करवा पाए। और शायद इसी वजह इतनी उम्र मिली कि वे भारत के प्रधानमंत्री बन पाए।

तब भारतीय राजनीति में इतना भद्र व्यवहार देखने को मिलता था, जो अब दुर्लभ है।

भाजपा ने दिल्ली की शराब नीति विवाद में मु.मंत्री के.सी.आर. को भी घसीटा

भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि, दिल्ली की विवादित शराब नीति के मुख्य कर्ताधर्ता मु.मंत्री के.सी.आर. भी हैं

नई दिल्ली, 21 अगस्त। भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को भी अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति को लेकर चल रहे विवाद में घसीट लिया है। प्रवेश वर्मा ने रविवार को यह दावा किया कि केसीआर के परिवार के सदस्य आबकारी नीति बनाए जाने के लिए दिल्ली के एक फाइव स्टार होटल में हुई बैठकों में शामिल हुए थे।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि तेलंगाना में इसी प्रकार की आबकारी नीति है और यह पश्चिम बंगाल में भी लागू की गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के परिवार के सदस्यों ने दिल्ली आबकारी नीति बनाने के लिए एक होटल में आयोजित बैठकों में भाग लिया था।

केसीआर के परिवार ने पंजाब में इसी प्रकार की नीति लागू कराई। उन्होंने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर दिल्ली के लिए एक योजना बनाई।

वर्मा ने सिसोदिया के खिलाफ जारी लुकआउट सर्कुलर पर कहा कि सी.बी.आई. द्वारा आबकारी नीति घोटाला मामले की जांच शुरू करने के बाद से दो आरोपी देश से भाग गए हैं। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को फरार होने से रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

भाजपा सांसद ने यह भी आरोप लगाया कि सिसोदिया और उनकी पत्नी ने 2014 से 2021 के बीच सरकारी अस्पतालों की सेवाएं न लेकर निजी अस्पतालों से इलाज पर करीब 22 लाख रुपये खर्च किए। इस बयान पर आम आदमी पार्टी ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

इसके साथ ही, प्रवेश वर्मा ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकल्प के तौर पर पेश करने के आम आदमी पार्टी (आप) के दावों पर पलटवार करते हुए शनिवार को कहा था कि इस तरह के दावे केवल चार लोग कर रहे हैं और उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

- **प्रवेश वर्मा ने कहा कि, मु.मंत्री के.सी.आर. और उनके परिवार के सदस्यों ने दिल्ली के फाइव स्टार होटलों में बैठकर दिल्ली की शराब नीति बनाई थी।**

'भारत 2050 तक पैट्रोल से 740 अरब डॉलर बचा सकता है'

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। इंटरनैशनल काउंसिल फॉर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आई.सी.सी.टी.) की शोधकर्ता शिखा रोकड़िया ने कहा कि, देश में वर्ष 2035 तक नये बिकने वाले दो पहिया वाहन 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक हो जाएं तो वर्ष 2020-50 के बीच पैट्रोल की मांग में 50 करोड़ टन और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है। द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) और आई.सी.सी.टी. की गत दिनों जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि देश में पिछले कुछ वर्षों में विद्युत दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ने से इलेक्ट्रिक परिवहन के विस्तार के प्रयास में गति मिली है। नीति आयोग और टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल (टी.आई.एफ.ए.सी.) की एक रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 तक देश में 100 प्रतिशत दोपहिया इलेक्ट्रिक हो जाने की संभावना है।

आई.सी.सी.टी. के भारत उत्सर्जन मॉडल के अनुमानों के मुताबिक वर्ष 2021 में सड़क परिवहन में हुई कुल पैट्रोल की खपत और कुल पेट्रोलियम की खपत में दोपहिया वाहनों का हिस्सा क्रमश: 70 प्रतिशत और 25 प्रतिशत था। देश में अगर पैट्रोल से चलने वाले दोपहिया वाहनों को ही बढ़ाते रहे तो वर्ष 2050 तक जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता दोगुने से भी अधिक हो जाएगी।

रोकड़िया ने कहा, वर्ष 2035 तक नए बिकने वाले 100 प्रतिशत दोपहिया वाहनों को इलेक्ट्रिक कर लिया जाए, तो भारत में 2020 से 2050 के बीच पैट्रोल की मांग में 500 मिलियन टन (एम.टी.ओ.ई.) से ज्यादा और इससे संबंधित लागत में 740 अरब डॉलर से ज्यादा की कमी आ सकती है। प्रदूषण के लिहाज से देखें तो भारत ने पिछले दशक में बी.एस.-6 उत्सर्जन मानक अपनाने समेत नीतिगत मोर्चे पर कुछ अहम कदम उठाए हैं। इससे वायु प्रदूषण में होने वाली वृद्धि को काफी हद तक कम किया जा सका है। टेरी के सीनियर विजिटिंग फेलो आई. वी. राव ने कहा, दोपहिया के मामले में तेजी से ई.वी. की ओर कदम बढ़ने से पैट्रोल की मांग पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

- **इंटरनैशनल काउंसिल फोर क्लीन ट्रांसपोर्टेशन की रिपोर्ट के अनुसार, 2035 तक नये बिकने वाले सभी टू व्हीलर्स इलैक्ट्रिक हो जायें तो 50 करोड़ टन पैट्रोल की बचत होगी।**

काबुल में भारतीय दूतावास फिर से शुरू हुआ

काबुल, 21 अगस्त। भारत ने करीब एक साल बाद अफगानिस्तान के साथ निलंबित राजनयिक संबधों को फिर से बहाल कर दिया है। काबुल में भारतीय दूतावास ने सोमवार, 15 अगस्त से अपने काम फिर से शुरू कर दिए हैं। तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाये जाने के बाद पिछले साल अगस्त में भारतीय दूतावास ने काबुल में अपने ऑफिस को निलंबित कर दिया था। वहीं, अधिकारी भी काबुल छोड़ दिए थे। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहार बल्खी ने कहा कि, भारत के राजनयिक वाणिज्य दूतावास में काम फिर से शुरू करने के उद्देश्य से 13 अगस्त को काबुल पहुंचे। हम भारतीय राजनयिकों का स्वागत करते हैं। उन्होंने अफगानिस्तान में पूरा सहयोग और सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह कहते हुए कि तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार भारत सहित सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध बनाने की इच्छुक है, बाल्खी ने कहा कि देश की ओर से शुरू की गई विभिन्न परियोजनाएं अफगानिस्तान में अधूरी हैं।

- **तालिबान की ओर से अफगानिस्तान पर कब्जा जमाये जाने के बाद भारतीय दूतावास ने काबुल में अपने ऑफिस को निलंबित कर दिया था।**

'आपकी सारी रेड फेल हो गई, सी.बी.आई. को कुछ नहीं मिला'

मनीष सिसोदिया ने कहा कि, सारी साजिशें विफल होने के बाद उनके खिलाफ अब लुकआउट नोटिस जारी किया गया है

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को कहा कि केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) ने दिल्ली आबकारी नीति लागू करने में कथित अनियमितताओं की जांच के कुछ नहीं मिलने पर उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया है।

सिसोदिया ने कहा, छापे के दौरान सी.बी.आई. को कुछ नहीं मिला। अब, आपने लुक आउट नोटिस का इस्तेमाल किया है कि सिसोदिया उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद मैं राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्र रूप से घूम रहा हूं और आसानी से उपलब्ध हूं। मुझे बताएं कि कहां आना है।

सिसोदिया ने हिंदी में ट्वीट करके नोटिस को नौटंकी करार दिया। एक अन्य ट्वीट में सिसोदिया ने लिखा, हमारे ऊपर लगाया गया कोई भी झूठा आरोप नहीं चलेगा, हमारे खिलाफ हर केस खारिज हो जाएगा। भगवान हमारे साथ हैं.. हम ईमानदारी से काम करते रहेंगे, उनकी हर साजिश विफल होगी और सच्चाई की हमेशा जीत होगी।

सिसोदिया ने अपने ट्वीट में कहा, आपकी सारी रेड फेल हो गयी, कुछ नहीं मिला, एक पैसे की हेरा फेरी नहीं मिली, अब आपने लुक आउट नोटिस जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा। ये क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं खुलेआम दिल्ली में घूम रहा हूँ, बताइए कहाँ आना है? आपको मैं मिल नहीं रहा?

इस बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, ऐसे समय में जब आम आदमी महंगाई से जूझ रहा है, करोड़ों युवा बेरोजगार हैं, केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर बेरोजगारी और महंगाई से लड़ना चाहिए। लेकिन वे ऐसा न करके पूरे देश से लड़ रहे हैं। हर सुबह वे जागते हैं और सी.बी.आई. और ई.डी. का खेल शुरू करते हैं। ऐसा देश कैसे आगे बढ़ेगा? उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को आबकारी पुलिस को 'देश में सर्वश्रेष्ठ' करार दिया था। उन्होंने कहा, पुलिस ने पूरी 'पारदर्शिता' और ईमानदारी के साथ काम किया, लेकिन भाजपा ने इस पर बेवजह हंगामा किया। भाजपा का नई आबकारी नीति से कोई लेना-देना नहीं है। अरविंद केजरीवाल की देश भर में बढ़ती लोकप्रियता के साथ इसकी एकमात्र समस्या है। इसलिए उनका एकमात्र मकसद केजरीवाल को किसी भी तरह से रोकना है। सिसोदिया ने कहा, भाजपा नई आबकारी नीति को लागू करने में कई करोड़ के घोटाले का दावा कर रही है, जबकि मेरे घर तलाशी के लिए आए सी.बी.आई. अधिकारियों ने मुझे बताया कि यह सिर्फ एक करोड़ रुपये (उनके स्त्रोतों के अनुसार) की जांच है।

- **मनीष सिसोदिया ने कहा कि, मैं कहीं गुमशुदा नहीं हूं, जो मेरे खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी करने की नौटंकी की गई है। मैं यहीं दिल्ली में हूं, जिसको मुझसे मिलना है आकर मिल ले।**

'भ्रष्टाचार चाहें एक करोड़ का हो या हजार करोड़ का घोटाला तो घोटाला ही है'

भाजपा ने कहा कि, आप सरकार कह रही है कि, भाजपा जितना बता रही है, शराब घोटाला उतना बड़ा नहीं है

नई दिल्ली, 21 अगस्त (वार्ता)। भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भ्रष्टाचार एवं घोटालों के सरगना करार करते हुए आज आरोप लगाया कि उन्होंने दिल्ली के लोगों की गाढ़ी कमाई को शराब माफियाओं पर लुटाने तथा सरकारी राजस्व में चोरी करने और अपना खजाना भरने का पाप किया है।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया और दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल सरकार पर जम कर हमला बोला। भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और उनके कई नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हुए हैं। आज भारत की जनता कह रही है कि यह आप नहीं पाप है, भ्रष्टाचारियों का बाप है और जनता के लिए अभिशाप है। भारतीय जनता पार्टी ने अरविंद केजरीवाल जी से सवाल पूछा कि यदि दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की आबकारी नीति सही और अच्छी थी तो फिर उसे वापस क्यों लिया गया तो इस पर केजरीवाल सरकार का जवाब आता है कि विदेशी अखबार कहता है कि दिल्ली सरकार का शिक्षा मॉडल बड़ा अच्छा है!

भाटिया ने कहा कि जब दिल्ली की जनता कोविड की दूसरी लहर में परेशान थी थी तो जनता को ऑक्सीजन, बेड्स और दवाई उपलब्ध कराने की जगह अरविंद केजरीवाल की कलम आबकारी नीति पर दस्तखत कर शराब माफियाओं को फायदा पहुंचाने में लगी हुई थी। अरविंद केजरीवाल अकाउंटेंट बनकर ये देख रहे थे कि आम आदमी पार्टी के खजाने में जनता के पैसे की कितनी लूट आई है। आज लोग कह रहे हैं - जिसने भी दिल्ली को ठगा है, वह अरविंद केजरीवाल का सगा है। अरविंद केजरीवाल की नाक के नीचे भ्रष्टाचार हुआ।

उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल, आपका मकसद केवल लूट-खसोट करना है, भ्रष्टाचार का पार्टी की तिजोरी भरना है। क्या इसलिए आप राजनीति में आये थे? इसका उत्तर न तो न्यूयॉर्क टाइम्स का आर्टिकल हो सकता है, न राजनीतिक द्वेष की बात करना हो सकता है।

मनीष सिसोदिया को घेरते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया प्रेस कांफ्रेंस करके कह रहे हैं कि भाजपा कहती है कि हजारों करोड़ का घोटाला हुआ लेकिन सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. कहती है कि केवल एक करोड़ रुपये का घोटाला हुआ! आप इनकी नीयत और सोच देखिए कि आम आदमी पार्टी घोटाले को भी जायज़ ठहरा रही है। कहती है कि यह तो छोटा घोटाला है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल, जिस हिसाब से तथ्य लगातार सामने आ रहे हैं, उससे हर भारतीय को यकीन है कि सच जल्द ही बाहर आयेगा। शराब घोटाले की जैसे-जैसे खुल रही है कड़ी, वैसे-वैसे पास आ रही है हथकड़ी। दूसरी बात यह कि घोटाला एक रुपये का हो या 1,000 करोड़ रुपये का - घोटाला तो घोटाला है, भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार है। सवाल तो आपकी ईमानदारी का है कि दिल्ली की जनता के पैसे से आपने अपनी तिजोरी क्यों भरी?

जब आप ये कहते हैं कि एक करोड़ रुपये का घोटाला लिखा है सी.बी.आई. की एफ.आई.आर. में तो कहीं न कहीं आप ये कह रहे हैं कि घोटाला तो हुआ लेकिन उतना बड़ा नहीं जितना बड़ा भाजपा बता रही है।

भाटिया ने केजरीवाल से सवाल पूछा कि अगर उनमें थोड़ी सी भी नैतिकता बची है, तो 24 घंटे के अंदर बताएं कि यदि उनकी आबकारी नीति सही थी, तो उसे वापस क्यों लिया? शराब माफियाओं को बिना कैबिनेट स्वीकृति के 144 करोड़ रुपए क्यों दे दिए?

राष्ट्रपति पुतिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जांच में पाया गया है कि कार के निचले हिस्से के नीचे चालक की तरफ एक विस्फोटक उपकरण लगाया गया था।

फिलहाल, जांचकर्ता दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। बाद में एक विशेष पार्किंग स्थल में ले जायी गयी जली हुई कार की जांच एक विस्फोटक विशेषज्ञ की भागीदारी से की गई।

जांचकर्ताओं ने कार के रिकॉर्ड से एक वीडियो रिकॉर्डिंग जब्त की है। सुरक्षा सेवाओं को शामिल लोगों और गवाहों की पहचान करने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा, जैविक, आनुवंशिक, भौतिक, रासायनिक और विस्फोटक फोरेंसिक जांचों सहित विशेषज्ञ परीक्षण किये जा रहे हैं।

जांच समिति के प्रमुख अलेक्जेंडर बैस्ट्रीकिन ने संबंधित अधिकारियों को आगे व्यापक और उद्देश्यपूर्ण जांच के लिए दुगिना की हत्या पर आपराधिक मामले को मुख्य जांच विभाग में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908